बृहस्पतिवार
15 फरवरी 2024

पृष्ठ 4

सर्दी खत्म होने से पहले हर रोज खा लेंगे एक गाजर तो पूरे साल रहेंगे फिट एंड फाइन

पृष्ठ 5

जवानी जानेमन ने लगा दी मेरी नैया पार:अलाया एफ

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 21
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

क्रोध यमराज के समान है, उसके कारण मनुष्य मृत्यु की गोद में चला जाता है।
— चाणक्य

लोकसभा चुनाव से पूर्व केंद्र सरकार को बड़ा झटका

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड पर लगाई रोक

- जनता को जानने का अधिकार किसने दिया कितना चंदा
- मनी लांडिंग और काले धन को सफेद करने की आशंका
- अब देना पड़ेगा अब तक लिए गए चंदे का हिसाब
- अब नहीं भुना सकेंगे इस साल लिए गए चुनावी बांड

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा 2018 में शुरू किए गए इलेक्टोरल बांड की जिस व्यवस्था को लागू किया गया था उसे आज सुप्रीम कोर्ट के मुख्य जस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधानिक पीठ ने अवैधानिक घोषित करते हुए उस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। चुनाव से ठीक दो माह पूर्व आए इस फैसले से केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को भारी झटका लगा है।

उल्लेखनीय है कि दो माह पूर्व इस बाबत दायर की गई तमाम याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पीठ ने फैसला सुरक्षित रखा गया था। आज जब सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला आया तो सत्ता में बैठे लोग हैरान रह गए। उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था कि सुप्रीम कोर्ट भला ऐसा कैसे कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आज सुनाये गये फैसले में साफ कहा गया है कि देश के मतदाता जिस राजनीतिक दल को वोट देते हैं उन्हें यह जानने का अधिकार है कि उस पार्टी को चुनावी चंदा देने वाले कौन लोग हैं। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट द्वारा सिर्फ इस चंदे पर रोक ही नहीं लगाई गई है बल्कि अब तक दिए गए चंदे का हिसाब-किताब भी देने को कहा गया है। जिस पर एसबीआई के माध्यम से राजनीतिक पार्टियों को इलेक्टोरल बांड खरीदने का अधिकार दिया गया था, वह अब इलेक्शन कमिशन को इसकी संपूर्ण जानकारी का ब्यौरा देगा और इलेक्शन कमीशन आम आदमी को सारी जानकारी देगा।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा जनवरी माह में लिए गए इलेक्टोरल बांड भुनाने पर रोक लगा दी गई है वहीं फॉरेन फंडिंग पर भी रोक लगाई गई है। कोर्ट ने साफ कहा है की बेनामी तरीके से किये जाने वाले इस बांड की खरीद फरोख्त से काले धन को बढ़ावा मिलने और काले धन को सफेद करने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। तथा यह आम

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

बनभूलपुरा में कर्फ्यू में आज से दो घंटे की छूट, इंटरनेट रहेगा बंद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। आखिरकार छह दिन बाद प्रशासन एक लाख की आबादी को राहत देने जा रहा है। बृहस्पतिवार से कर्फ्यू में ढील दी जाएगी। ढील भी अलग-अलग क्षेत्रों में दो घंटे से सात घंटे के लिए दी जाएगी। इस दौरान बाहरी आवाजाही पूर्ण रूप से बंद रहेगी, दुकानें खुलेंगी। जबकि प्रशासन दुकानों तक जरूरी सामान पहुंचाएगा लेकिन इंटरनेट पूर्ण रूप से बंद रहेगा।

डीएम ने जो आदेश जारी किये है उसके अनुसार मंडी गेट शनिबाजार रोड से पश्चिम दिशा का क्षेत्र, रेलवे बाजार रोड से पश्चिम दिशा का पूरा क्षेत्र, गोलच्छा कंपाउंड स्थित एफसीआई क्षेत्र में सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक यानि सात घंटे छूट रहेगी। शेष कर्फ्यू वाले क्षेत्र में सुबह नौ बजे से 11 बजे तक छूट रहेगी। बाहरी आवाजाही पूरी तरह से बंद रहेगी साथ ही पुलिस तैनात रहेगी दुकानें खुलेंगी। इस क्षेत्र में रहने वाले लोग क्षेत्र में कहीं भी आ-जा सकते हैं। डीएम ने जो आदेश दिया है उसके अनुसार मंडी गेट शनिबाजार रोड से पश्चिम दिशा का क्षेत्र, रेलवे बाजार रोड से पश्चिम दिशा का पूरा क्षेत्र, गोलच्छा कंपाउंड स्थित एफसीआई क्षेत्र में सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक छूट रहेगी। शेष कर्फ्यू वाले क्षेत्र में सुबह नौ बजे से 11 बजे तक छूट रहेगी।

बनभूलपुरा हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक समेत 9 नामजद उपद्रवी के खिलाफ कुर्की का आदेश हुआ है। डीआईजी कुमाऊं योगेंद्र रावत ने बताया की फरार मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक की तलाश में अलग-अलग टीमें लगी हैं और पुलिस की कई टीमें विभिन्न राज्यों में अब्दुल मलिक सहित फरार अन्य दंगाइयों को गिरफ्तार करने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं। वहीं इन फरार उपद्रवियों के खिलाफ पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक समेत 9 नामजद उपद्रवियों के लिए कुर्की के आदेश जारी कराए हैं।

धामी के रोड शो में उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़

विशेष संवाददाता

चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इन दिनों रोड शो और लोकार्पण तथा शिलान्यास के कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। चुनावी दौर में वह रोड शो और महिलाओं के लिए चलाये जा रहे अनेक कार्यक्रमों में प्राथमिक रूप से शिरकत कर लोकसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने में जुटे हैं। इस क्रम में आज वह चमोली के गौचर पहुंचे जहां एक भारी रोड शो का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में भीड़ देखी गई इस अवसर पर उन्होंने करोड़ों रुपए की विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से भी कहीं ज्यादा रही। बद्रीनाथ, थराली और कर्णप्रयाग विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों ने सीएम के रोड शो में भाग लिया। महिलाओं ने यहां मुख्यमंत्री धामी पर जमकर फूलों की वर्षा की। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि उनका प्रयास है कि प्रदेश की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए वह जो भी कर सकते हैं करें। उन्होंने प्रदेश में महिलाओं

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

महेंद्र भट्ट ने राज्यसभा का पर्चा भरा

विशेष संवाददाता

देहरादून। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने आज राज्यसभा सांसद के लिए अपना नामांकन पत्र भर दिया है। इस अवसर पर उनके साथ सीएम पुष्कर सिंह धामी, सांसद अनिल बलूनी और प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम के अलावा अन्य तमाम बड़े नेता भी साथ रहे। महेंद्र भट्ट द्वारा अपने नामांकन के चार सेट जमा किए गए हैं।

इस अवसर पर सीएम धामी ने महेंद्र भट्ट को राज्यसभा भेजने के हाईकमान के फैसले का आभार जताते हुए कहा कि महेंद्र भट्ट जमीन से जुड़े भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ता रहे हैं। उन्होंने हमेशा ही पार्टी हित में पूरी मेहनत और जिम्मेदारी

से काम किया है। एक सामान्य कार्यकर्ता को राज्यसभा सांसद चुना जाना गर्व की बात है। उनके इस चयन से पार्टी के युवा नेताओं का मनोबल बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि वह अब राज्यसभा में बैठकर राज्य के विकास के लिए काम करेंगे। उधर महेंद्र भट्ट ने भी पार्टी द्वारा बड़ी जिम्मेदारी देने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं अपनी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपना काम करने का प्रयास करूंगा।

बीते 6 सालों से राज्यसभा सांसद रहे अनिल बलूनी जिनकी जगह अब भट्ट लेने जा रहे हैं। उन्होंने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका कार्यकाल अच्छा रहा राज्य के विकास के लिए अनेक कार्य करने में भी सफल रहे। लोकसभा चुनाव लड़ने के बारे में उन्होंने कहा कि यह मुझे नहीं सोचना है पार्टी जो भी काम सौंपेगी बस वह काम करना है अगर पार्टी मुझे चुनाव लड़ाना चाहती है तो लड़ाये। महेंद्र भट्ट अब जिनका राज्यसभा में जाना सुनिश्चित हो चुका है क्योंकि अंकों की गणित उनके पक्ष में है इसलिए इसमें कोई संदेह किसी को भी नहीं है लेकिन अब नया प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा यह सवाल सभी के जहन में है।

दून वैली मेल

संपादकीय

यह कैसा पहाड़ प्रेम?

भले ही पहाड़ के आम लोगों को पहाड़ से कितना भी प्रेम क्यों न रहा हो लेकिन सुविधा संपन्न और अमीर जनप्रतिनिधियों को पहाड़ से वास्तव में कुछ लेना-देना रह नहीं गया है। यह बात हम इसलिए कह रहे हैं कि उनकी इस हकीकत को उत्तराखंड के 40 विधायकों का हस्ताक्षरित वह पत्र बयां कर रहा है जो उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा है इस पत्र में इन विधायकों ने गैरसैंण में बजट सत्र न आयोजित करने की अपील मौसम की विसंगतियों का हवाला देकर की गई है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री और उनकी कैबिनेट ने इसे स्वीकार कर लिया है। सवाल यह है कि अगर सूबे के नेताओं को पहाड़ के मौसम से इतना ही डर लगता है कि फरवरी-मार्च के माह में भी चार-छह दिन के लिए गैरसैंण जाने से कतराते हैं तो उनका यह पहाड़ प्रेम कैसा पहाड़ प्रेम है और क्यों उन्होंने राजधानी गैरसैंण के नाम पर बीते 20 सालों से तमाशा कर रखा है? और अब जब गैरसैंण में राजधानी के नाम पर सैकड़ो करोड़ खर्च किये जा चुके है तब फिर पहाड़ से इस तरह का अलगाव क्यों? अगर ऐसा ही था तो यहां भूमि पूजन से लेकर विधानसभा सत्र का आयोजन टेंट में करने और विधानसभा भवन निर्माण पर इतना खर्च करने की जरूरत क्या थी? राज काज का काम तो देहरादून से चल ही रहा था इसे यहीं से चलने देते रहना चाहिए था। खास बात यह है कि गैरसैंण राजधानी बनाने का श्रेय लेने की होड़ में जुटे भाजपा और कांग्रेस के नेताओं को पहाड़ से कुछ लेना-देना है ही नहीं उन्हें तो इस मुद्दे पर सिर्फ सियासत करनी थी। स्पीकर को खत लिखने वालों में 36 लोग सत्ता पक्ष से हैं। भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने ही गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया था अब ग्रीष्मकाल में अगर गैरसैंण में विधानसभा सत्र का आयोजन नहीं हो सकता है तो इसका अर्थ है कि कभी नहीं हो सकता, क्योंकि सर्दी और बरसात में तो पहाड़ की स्थिति मौसम के लिहाज से और भी अधिक खराब हो जाती है। तब फिर गैरसैंण के राजधानी बनाने का औचित्य ही क्या शेष रह जाता है। वैसे भी पहाड़ के तमाम नेता अब पहाड़ को छोड़ चुके हैं उन्होंने अपने आशियाने दून, हरिद्वार और ऋषिकेश में बना लिए हैं। उनके पैतृक गांव के आवास अब वीरान पड़े हैं। चंद अनिल बलूनी जैसे लोग हैं जो गांव में इगास मना कर पहाड़ से पलायन रोकने की मुहिम में जुटे हैं। अन्यथा इन नेताओं ने पहाड़ को ही नहीं छोड़ दिया है बल्कि अपने परंपरागत चुनावी क्षेत्र और सीटों को भी छोड़ दिया है तथा मैदानी क्षेत्र की सीटों पर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार कर ली है या करने में जुटे हैं। जो पहाड़ से चुनाव लड़ते भी हैं तो उनकी मजबूरी यह है कि मैदानी क्षेत्र में उन्हें कोई मुफीद सीट नहीं मिल पा रही है। हां पहाड़ के कुछ वयोवृद्ध लोग जरूर पहाड़ छोड़ने को तैयार नहीं है या फिर कुछ लोग पहाड़ बचाने के लिए आज भी जुटे हैं। लेकिन इन लोगों को अपने नेताओं की हकीकत और उनके पहाड़ प्रेम को समझना जरूरी है। तभी पहाड़ को बचाना संभव होगा अन्यथा नहीं।

वर्ल्ड पीस मिशन अभियान दल सिंगापुर, मलेशिया व थाइलैंड से वापस लौटा

देहरादून (कासं)। वसुधैव कुटम्बकम की मंगल कामना के साथ देहरादून से 4 फरवरी को निकला वर्ल्ड पीस मिशन अभियान दल सिंगापुर, मलेशिया और थाइलैंड में भारतीय संस्कृति संस्कारों और रीति रिवाजों का प्रचार प्रसार कर सकुशल देहरादून वापस लौट आया है। अभियान के सूत्रधार योगाचार्य डा. बिपिन जोशी ने बताया सिंगापुर में श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर, आर्य समाज मंदिर, उत्तराखंड संगठन सिंगापुर आदि द्वारा विशेष कार्यक्रम अयोजित किए गए अभियान दल द्वारा पवित्र गंगाजल,उत्तराखंडी टोपी, श्रीराम मंदिर का लकड़ी स्वरूप, राम नामी पटका, पूजित अक्षत, देवभूमि उत्तराखंड का प्रसाद आदि भेंट किए गए, उत्तराखंड एसोसिएशन सिंगापुर के अध्यक्ष हरीश पंत द्वारा रात्रि भोज दिया गया और vyasha yoga singapore के संस्थापक योगाचार्य मनोज ठाकुर द्वारा योग के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए योगाचार्य डा0 बिपिन जोशी को अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मलेशिया में डिवाइन लाइफ सोसाइटी (दिव्य जीवन संघ ऋषिकेश की शाखा) में डा. जोशी को विशेष गुरु चरन पूजन के साथ कुआलालामपुर के प्रसिद्ध बटु केव मंदिर में दक्षिण भारत मूल के लोगों को उत्तराखंडी टोपी, पवित्र गंगाजल, राम नामी पटका, राम मंदिर का लकड़ी का स्वरुप,देवभूमि उत्तराखंड का प्रसाद आदि भेंट किया। वतन वापसी पर अभियान दल का दिल्ली इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत अभिनन्दन किया गया।

काशीपुर क्षेत्र में 11 साल में बढ़ गये 1.81 लाख मोटर वाहन

❑44 प्रतिशत रजिस्टर्ड वाहन खरीदे गये फाइनैंस/बैंक की सहायता से

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। काशीपुर क्षेत्र की सड़कों पर पिछले 11 वर्षों में एक लाख 81 हजार 208 मोटर वाहन बढ़ गये हैं। 19 जनवरी 2024 तक रजिस्टर्ड कुल वाहनों में लगभग 44 प्रतिशत 79827 वाहन रजिस्ट्रेशन में फाइनेंस/बैंक का विवरण शामिल है। अकेले वर्ष 2023 में 16772 वाहन तथा 2022 में 14728 वाहन ए.आर.टी.ओ. काशीपुर कार्यालय में रजिस्टर्ड हुये हैं। यह खुलासा ए.आर.टी.ओ काशीपुर कार्यालय द्वारा सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन एडवोकेट को उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ है।

काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने सहायक सम्भागीय परिवहन कार्यालय (ए.आर. टी.ओ.) से कार्यालय प्रारम्भ होने से सूचना उपलब्ध कराने की तिथि तक वाहनों के रजिस्ट्रेशन कराने सम्बन्धी सूचना चाही थी। इसके उत्तर में लोक सूचना अधिकारी/सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, काशीपुर अशीत कुमार झा ने कार्यालय प्रारंभ होने के वर्ष 2013 से 2023 तक 11 वर्षों के वाहन रजिस्ट्रेशन आंकड़ों के विवरण की प्रतियां उपलब्ध करायी है।

उपलब्ध सूचना के अनुसार काशीपुर जसपुर, बाजपुर तहसील क्षेत्र के वाहनों के रजिस्ट्रेशन करने वाले, ए.आर.टी.ओ. कार्यालय के प्रारंभ होने के वर्ष 2013 में कुल 7963 वाहन रजिस्टर्ड हुये जबकि 2014 में 16578, वर्ष 2015 में 17474, वर्ष 2016 में 18703, वर्ष 2017 में 21914, वर्ष 2018 में 20358, वर्ष 2019 में 18259, कोविड महामारी वर्ष 2020 में 14083, वर्ष 2021 में 14376, वर्ष 2022 में 14728 तथा वर्ष 2023 में 16772 वाहन रजिस्टर्ड हुये।

उपलब्ध सूचना के अनुसार वाहनों में सर्वाधिक संख्या दुपहिया वाहन मोटर साइकिल/स्कूटर की है। 2013 से 2023 तक रजिस्टर्ड वाहनों में 1 लाख 2 हजार 801 मोटर साइकिल/स्कूटर दर्शाये गये हैं। इसके अतिरिक्त 18 मोटर साइकिल/स्कूटर के साथ तथा 735 मोपेड दर्शायी गयी है। इस अवधि में 18996 मोटर कार रजिस्टर्ड हुई है जबकि 265 मोटर कैब, 151 मैक्सी कैब 51 एम्बुलेंस, 1 कैश वाहन, 5 ओमनी बस, 757 पैसेंजर थ्री व्हीलर, 428 गुड्स थ्री व्हीलर, 4908 पैसेंजर ई रिक्शा तथा 219 गुड्स ई रिक्शा रजिस्टर्ड हुई है।कृषि सम्बन्धी वाहनों में 5274 कृषि ट्रैक्टर, 1364 ट्रैक्टर/ट्राली (कामार्शियल) इस अवधि में रजिस्टर्ड हुये है। भारी वाहनों में 186 बस, 10 स्कूल बस, 75 कन्सट्रक्शन इक्युपमेंट वाहन, 31 डम्पर, 138 एक्सकेवेटर, 4 फायर फाइटिंग वाहन, 3175 गुडस कैरियर वाहन शामिल है। पिछले 8 वर्षों के यदि मोटर साइकिल स्कूटर रजिस्ट्रेशन के आंकड़े देखे तो 2016 में 14856, वर्ष 2017 में 16052, वर्ष 2018 में 15187, वर्ष 2019 में 13980, वर्ष 2020 में 10709, वर्ष 2021 में 10179, वर्ष 2022 में 10379 तथा वर्ष 2023 में 11404 रजिस्ट्रेशन शामिल हैं। पिछले 8 वर्षों में रजिस्ट्रेशन कारों के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में 2127, वर्ष 2017 में 2423, वर्ष 2018 में 2749, वर्ष 2019 में 2144, वर्ष 2020 में 1775, वर्ष 2021 में 2390, वर्ष 2022 में 2390 तथा वर्ष 2023 में 2696 मोटर कारो के रजिस्ट्रेशन हुये हैं।

16 को रामानी ए सोशल सोसायटी करायेगी प्रतियोगिता

सवाददाता

देहरादून। रामानी ए सोशल सोसायटी जरूरत मंद महिलाओं की दिनचर्या पर एक महत्वपूर्ण प्रयोगिता का आयोजन 16 फरवरी को करायेगी।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सोसायटी की अध्यक्ष वन्दना श्रीवास्तव ने बताया कि उनकी संस्था रामानी ए सोशल सोसायटी (रजि.) द्वारा विगत 15 वर्षो से जरूरत मंद महिलाओ और बच्चों के मार्गदर्शन और उनको समाज मे सम्मान दिलाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करती आर ही है, उसी कड़ी में इस बार जरूरत मंद महिलाओं की दैनिक दिनचर्या पर एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता का आयोजन 16 फरवरी 2024 को सायं 4 बजे से गब्बर बस्ती निकट हेलीपैड सहस्त्रधारा रोड में किया जा रहा है।

प्रेस वार्ता में सोसायटी की वरिष्ठ संरक्षक सरस्वती सिंह, संरक्षक मंजू सक्सेना, उपाध्यक्ष वंदना निगम, प्रमुख सदस्य शिवानी तिवारी, पूजा भटट, मधु यादव आदि मौजूद थे।

नई शराब नीति का कांग्रेस ने किया विरोध

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की कैबिनेट ने नई आबकारी नीति को मंजूरी दे दी है। इसमें शराब की उप दुकान खोलने की योजना का कांग्रेस के महानगर देहरादून के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि सरकार उप दुकान खोलने की छूट देकर उत्तराखंड के लोगों को शराब के नशे में झोंकने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस नीति के तहत मौहल्लों-मौहल्लों में शराब की दुकाने खुल जाएंगी और यहां की युवा पीढ़ी बर्बाद हो जाएगी।

मीडिया को जारी एक बयान में लालचंद शर्मा ने कहा कि नई आबकारी नीति के तहत एक आवेदक को अधिकतम तीन शराब की दुकानें आवंटित की जा सकेंगी। ऐसे में कुछ चुनिंदा लोगों का ही शराब के कारोबार में कब्जा हो जाएगा। वहीं प्रदेश के सभी जिलों में चल रही मदिरा की दुकान के सापेक्ष उप दुकान खोलने की मंजूरी देना भी घातक है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत शराब विक्रेता अपनी दुकान के आस-पास के एरिया में उसी दुकान के नाम से दूसरी दुकान भी खोल सकते हैं। ऐसे में स्थिति खराब हो जाएगी और जगह-जगह शराब की दुकानें नजर आने लगेंगी। पर्वतीय जिलों में तो ऐसी व्यवस्था का लोगों पर और भी बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले पर सरकार को दोबारा से विचार करना चाहिए। साथ ही शराब की जगह दूसरे व्यवसाय पर जोर देना चाहिए।

उन्होने कहा कि नई नीति में शराब की पुरानी दुकानों को उसी अनुज्ञापक को 10 प्रतिशत वृद्धि के साथ नवीनीकरण करने की व्यवस्था की गई है। जिन दुकानों का नवीनीकरण नहीं होगा, उनका लाटरी या नीलामी के साथ ही पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटन किया जाएगा। पूरे प्रदेश में एक आवेदक को अधिकतम तीन शराब की दुकानें ही आवंटित की जा सकेंगी। प्रदेश के सभी जिलों में चल रही मदिरा दुकान के सापेक्ष उप दुकान खोले जाने की मंजूरी भी राजस्व बढ़ाने को लेकर दी जा सकेगी।

गढ़वाली फिल्म पितृकुडा का फोल्डर लांच

संवाददाता

देहरादून। पर्वतीय बिगुल फिल्मस् के बैनर पर बनी फिल्म पितृकुडा की कथा वस्तु का फोल्डर लांच किया गया।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पितरो के प्रति उत्तराखण्ड की अनोखी लिंगवास परम्परा पर बनी गढवाली फीचर फिल्म पितृकुडा 16 फरवरी को देहरादून में रिलीज हो रही है। आज यहां पर्वतीय बिगुल फिल्मस के बैनर पर बनी फिल्म पितृकुडा की कथा वस्तु का फोल्डर लांच किया गया। इस अवसर पर फिल्म के निर्देशक प्रदीप भण्डारी ने बताया कि उत्तराखण्ड की अद्वतीय परम्परा पितृकुडा (लिंगवास) पर बनी यह फिल्म एक पारिवारिक फिल्म है जो परिवार के भावनात्मक रिश्तों पर बनी है। सिल्वर स्क्रीन पर पहली बार लोगों को पितृकुडा संस्कार का चित्रण दिखायी देगा। उन्होंने कहा कि फिल्म में जबरदस्त एक्शन थ्रिलर, रोमांच, हास्य और मधूर गीत संगीत है। उन्होंने कहा कि फिल्म में प्रतिभावान स्टारकास्ट के अलावा लोकेशन और बैक ग्राउण्ड म्यूजिक तथा गीत संगीत श्रेष्ट और कर्णप्रिय रखा गया है। फिल्म की शूटिंग मसूरी, टिहरी, देहरादून, नैनीताल, चोपता आदि रमणीक स्थलों पर हुई है।

दुकान का शटर तोड मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान का शटर तोडकर वहां से मोबाइल चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार समर हाउस कुलडी निवासी दिनेश कुमार ने मसूरी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी तिलक रोड में मोबाइल की दुकान है। आज प्रातः जब वह अपनी दुकान पर पहुंचा तो वहां का नजारा देखकर वह सन्न रह गया। उसकी दुकान का शटर टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से मोबाइल चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पोस्टल आर्डर ना मिलने पर जीपीओं में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा

संवाददाता

देहरादून। पोस्टल आर्डर ना मिलने पर राष्ट्रवादी आरटीआई एक्टिविस्ट एण्ड हयूमन राईटर फैडरेशन ने मुख्य डाकघर में प्रदर्शन कर चीफ पोस्ट मास्टर जनरल को ज्ञापन सौंपा।

आज यहां राष्ट्रवादी आरटीआई एक्टिविस्ट एण्ड हयूमन राईटस फैडरेशन के कार्यकर्ता मुख्य डाकघर में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर चीफ पोस्ट मास्टर जनरल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि पिछले छह माह से उत्तराखण्ड की अस्थायी राजधानी के मुख्य पोस्ट ऑफिस से जनता 10 रूपये के पोस्टल आर्डर से वंचित हो रही है जोकि आरटीआई लगाने हेतु मुख्य आधार है। परन्तु विभागीय अनदेखी के कारण जनता लगातार परेशान हो रही है व उनका कीमती समय नष्ट हो रहा है वहीं उनके मौलिक अधिकार व मनवाधिकारों का कुठाराघात हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि 10 रूपये के पोस्टल आर्डर जारी करने शीघ्र व्यवस्था की जाये। ज्ञापन देने वालों में सरदार कुलदीप सिंह ललकार, वेद गुप्ता, अरविन्द मलहोत्रा, मनीश, अमित वर्मा, कृष्ण गोपाल रोहिल्ला, राजकुमार, राकेश कुमार भटट आदि लोग शामिल थे।

बॉडी को लचीला बनाने के लिए अपनाए तीन आसान तरिके

वजन घटाना इतना आसान काम नही होता लेकिन अगर निरंतर प्रयास करें तो ज़रूर ही वजन घट सकता है। और इसलिए ऐसे बहुत सी तरकीबें लोग करते है जिससे वजन घटाया जा सकता है। लेकिन जब वजन कम करने की बात आती है तब लोग कनफ्यूज हो जाते हैं कि वजन कम करने के लिए योगा या जुम्बा? आज आपके इस कनफ्यूजन को दूर कर आसान कर देते हैं कि आपके लिए क्या बेहतर है-

योग या जुम्बा: अगर वक्त के हिसाब से देखा जाए तो जुम्बा योग की तुलना में कम वक्त में अधिक कैलोरी बर्न करने के लिए जाना जाता है। योगा बॉडी के अलग-अलग अंग के लिए भिन्न तरीके से किया जाता है। योगा से आपकी बॉडी में लचीलापन आता है। वहीं जुम्बा वर्कआउट डांस फॉर्म में किया जाता है। यह वजन कम करने और काडियोवस्कुलर एक्टिविटीज पर अधिक फोकस्ड रहता है।

कैलोरी: अगर आप का वजन बहुत अधिक नहीं है तो आप योगा कर सकते हैं। इससे कैलोरी बर्न करना थोड़ा आसान हो सकता है। हालांकि योगा आपके वजन और उम्र के हिसाब से किया जा सकता है। वहीं अगर आप जल्दी अपना वजन कम करना चाहते हैं तो जुम्बा ज्यादा बेहतर है। इससे आप एक घंटे में करीब 540 कैलोरी तक बर्न कर सकते हैं।

लचीलापन और बॉडी: अगर आप अपनी बॉडी को लचीला बनाना चाहते हैं तो योगा करना बेहतर है। वहीं बॉडी को सही पॉश्चर या टोन देना चाहते हैं तो जुम्बा अधिक प्रभावी है। जुम्बा से आपका हार्ट भी स्ट्रांग होता है।

शायद अब आपके लिए आसान हो गया होगा कि आप क्या करना चाहते हैं योगा या जुम्बा। दोनों के अलग-अलग फायदे हैं। अधिक फैट बर्न और जल्दी के लिए जुम्बा बेहतर है। वही अपनी बॉडी को फैलक्जिबल बनाने के लिए आप योगा का चुनाव करें।

दिल को बेहद बीमार कर देता है ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम

दिल का टूटना कार्डिएक अरेस्ट यानी हार्ट अटैक की बड़ी वजह बन सकता है। इस बीमारी का नाम ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम है। एक रिसर्च के जरिए इसका खुलासा हुआ है। इसके तहत लंबे समय तक दिल का टूटा रहना दिल को बेहद बीमार कर सकता है। यह बीमारी सबसे ज्यादा महिलाओं को अपना शिकार बनाती है। जापान में एक ऑक्टोपॉस के नाम पर इस बीमारी का नाम पड़ा है क्योंकि यह उसी के आकार का होता है। भावनात्मक तनाव इस बीमारी के मुख्य कारण में से एक है। तलाक, प्यार में धोखा, किसी करीबी की मौत या फिर जीवनसाथी के साथ विवाद... ऐसी घटनाएं हैं जिनकी वजह से लोगों का खासतौर पर महिलाओं का दिल टूट जाता है।

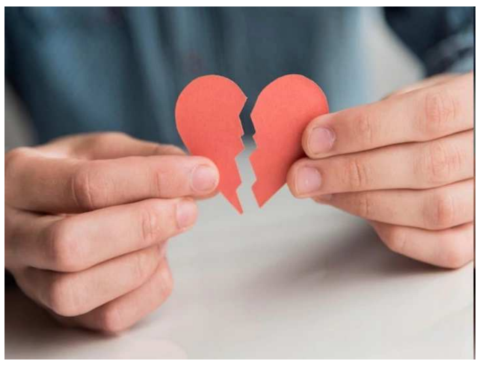

अगर ज्यादा समय तक लोग दिल टूटने के दर्द के साथ जीते हैं तो उनमें इस बीमारी के चांस बढ़ जाते हैं जिसका इलाज भी आसान नहीं है। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन की ओर से यह रिसर्च करवायी गई थी जो अमेरिकन सोसायटी ऑफईकोकार्डियॉग्रफी जर्नल में प्रकाशित हुई। रिसर्च के मुताबिक इस बीमारी के कारण लोगों की मौत होने की बड़ी वजह मसल्स का कमजोर हो जाना है। इस रिसर्च में 52 ब्रोकन हार्ड सिंड्रोम से पीड़ित मरीजों को 4 महीने तक निगरानी में रखा गया। इस टीम ने पाया कि एक बार बीमारी डायग्नोज हो जाती है तो हार्ट की स्थिति पता चल जाती है। इस बीमारी में इंसान का दिल कैसे काम करता है इस बारे में रिसर्च में बहुत कुछ सामने आया है। डॉ डॉसन बताते हैं, जो मरीज इस बीमारी से पीड़ित हैं उनमें बगैर किसी ईलाज कैसे परिवर्तन आता है इसके बारे में ही रिसर्च की गई है। इसमें हमने पाया है कि यह बीमारी हार्ट को काफी हद तक डैमेज कर देती है।

सिर की खुजली से है परेशान तो अपनाएं ये कारगर घरेलू उपाय

सिर में अगर खुजली हो रही हो तो किसी काम में मन नहीं लगता है। गर्मी के मौसम में यह समस्या और बढ़ जाती है। इन दिनों पसीना अन्य कारणों से सिर में खुजली होना आम है। वहीं कई बार डैंड्रफ से भी काफी खुजली होने लगती है। सिर में गंदगी बनी रहती है। इससे भी बालों में अधिक खुजली रहती है। वहीं सर्दियों के मौसम में स्कैल्प में रूखापन अधिक रहता है। अगर आपको भी हो रही है सिर में खुजली, तो यह उपाय जरूर आजमाएं...

नींबू: सिर की त्वचा पर खुजली के लिए नींबू एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड त्वचा की सफई भी करता है और खुजली को शांत करने में भी मदद करता है। इसके रस को त्वचा पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें, फिर पानी से धो लें।

ऐपल वेनेगर: ऐपल वेनेगर मतलब सेब का सिरका। ये सिर की गंदगी को साफ करने के लिए बहुत समय से उपयोग किया जा रहा है। तीन चौथाई पानी के साथ एक चौथाई सेब का सिरका मिलाकर बालों में रोज मालिश करने से सिर में खुजली की समस्या दूर हो जाती है।

जैतून या बादाम का तेल: जैतून या बादाम के तेल से सिर की मसाज करें. कुछ समय तक बालों की जड़ों में रहने के बाद धो लें। इससे सिर की खुजली भी दूर होगी बाल भी घने होंगे।

दही: दही से स्कैल्प में मसाज करें फिर इसे कुछ समय तक ऐसा ही लगा रहने दें। दही आपके बाल सिर की खुजली को दूर करने के लिए बेहतरीन उपाय है।

प्याज का रस: प्याज का रस बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। अगर आप भी सिर में खुजली बाल टूटने की दिक्कत से परेशान है तो प्याज का रस ट्राई करें। एक प्याज लें इसको पीसकर इसका रस निकाल लें। इसके बाद रूई की मदद से अपने पूरे सिर में एक समान रूप से इस रस को लगा लें कुछ देर के लिए ऐसा ही छोड़ दें। हफ्ते में एक या दो बार ऐसा करें। आपकी खुजली की समस्या दूर हो जाएगी।

अपनी कहानी दोहरानी है!

ये बुनियादी सवाल दब-से गए हैं कि अगर तस्वीर इतनी खुशहाल है, तो साल 2019 में सरकार ने उपभोग व्यय संबंधी सर्वेक्षण रिपोर्ट को क्यों जारी करने से इनकार कर दिया था? सरकार की जनगणना कराने में क्यों रुचि नहीं है? नरेंद्र मोदी सरकार को इस बात का पूरा यकीन है कि वो जो कहानी सुनाएगी, उनके समर्थक मतदाता बस उतना ही सुनेंगे। उसका यह यकीन निराधार भी नहीं है। चूंकि मेनस्ट्रीम मीडिया के अधिकांश हिस्से ने अपने स्वत-रुझान या बनाई गई परिस्थितियों के कारण खुद को सत्ताधारी दल के प्रचार तंत्र में तब्दील कर दिया है, इसलिए किसी वैकल्पिक कथानक का आम जन तक पहुंचना सचमुच बहुत कठिन हो गया है। ऐसे में लोग सरकारी दावों पर सहज यकीन करें, तो उसमें कोई हैरत की बात नहीं है। मसलन, इन दावों पर कि देश में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला गया है और भारत में चारों तरफ खुशहाली का आलम है। इस शोर के बीच ये बुनियादी सवाल दब-से गए हैं कि अगर ऐसा है, तो साल 2019 में सरकार ने उपभोग व्यय संबंधी सर्वेक्षण रिपोर्ट को क्यों जारी करने से इनकार कर दिया था? सरकार की जनगणना कराने में क्यों रुचि नहीं है? दशकीय जनगणना 2021 में ही तय थी। तब कोरोना महामारी के कारण उसे टाला गया, हालांकि उस दौर में भी चुनाव जैसे सघन जन-संपर्क के कार्य आयोजित हुए।

तब के बाद आम जिंदगी सामान्य हो चुकी है, लेकिन जनगणना कहीं सरकार के एजेंडे में नहीं है। अगर जनगणना होती, तो उससे आधिकारिक आंकड़े प्राप्त होते और यह मालूम होता कि जमीनी स्तर पर आम जन की कैसी हालत है। मगर वर्तमान सरकार का नजरिया प्रतिकूल आंकड़ों को सामने ना आ देने का रहा है। तस्वीर बेहतर दिखाने के लिए पैमानों की परिभाषा बदल देना उसकी दूसरी बड़ी तरकीब रही है। मसलन, 2015 में वास्तविक आर्थिक वृद्धि दर को मापने का आधार बदल दिया गया। इससे वास्तविक वृद्धि दर बेहतर नजर आने लगी। इसके अलावा रोजगार की सूरत बेहतर दिखाने के लिए आवधिक श्रम शक्ति सर्वे में स्वरोजगार की एक नई श्रेणी जोड़ दी गई, जिससे पारिवारिक कारोबार में सहयोग करने वाले अवैतनिक कर्मियों को भी रोजगार-शुदा माना जाने लगा। लेकिन परिभाषाएं बदलने से असली हाल नहीं बदल गए हैं। मगर सरकार को उसकी चिंता भी नहीं है। उसकी जुगत सिर्फ यह है कि आर्थिक सुर्खियां खुशहाल तस्वीर पेश करती रहें। (आरएनएस)

छत्तीसगढ़ में खुला इज ऑफ डूइंग बिजनेस का कक्ष

भारत सरकार 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने की दिशा में काम कर रही है। बजट भाषण के दौरान वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने जीडीपी की नई परिभाषा गवर्नेंस, डेव्लपमेंट, परफॉर्मेंस बताई है। इसी दिशा में पहल करते हुये छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। राजधानी रायपुर में उद्यमियों व करदाताओं की सहूलियत के लिए इज ऑफ डूइंग बिजनेस का कक्ष खोला गया है। इससे छत्तीसगढ़ में अब स्टार्ट अप शुरू करना और आसान हो जाएगा।

राज्य के वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने की दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार कार्य कर रही है। इसे देखते हुए रायपुर में उद्यमियों, व्यवसायियों और करदाताओं की सुविधा की दृष्टि से इज ऑफ डूइंग बिजनेस कक्ष बनाया गया है।

उन्होंने बताया कि व्यवसायियों व करदाताओं की सुविधा के लिए कार्यालय में तमाम सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। नए व्यवसाइयों को जीएसटी रजिस्ट्रेशन में जो दिक्कतें आती हैं उसके भी निराकरण का काम यह कक्ष करेगा।

उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति में भी स्टार्टअप के साथ साथ उद्यमियों को सहूलियत व अधिकतम लाभ मिल सके इसके लिए प्रावधान किए जा रहे हैं।

चौधरी ने बताया कि प्रदेश में इज ऑफ डूइंग बिजनेस का कक्ष खुलने से युवाओं को नए उद्यम शुरू करने में आसानी होगी। इसके साथ ही करदाताओं को सम्पूर्ण जानकारी व सुविधा एक ही जगह पर उपलब्ध हो सकेगी।

इज ऑफ डूइंग बिजनेस कक्ष में मुख्य रूप से व्यवसायियों, करदाताओं, व्यवसायिक संगठनों की सुविधा के लिए प्रशिक्षण, सेमीनार, कार्यशालाएं आयोजित होंगी। नया उद्योग व्यवसाय प्रारंभ करने, करो के संबंध में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर एवं विभिन्न अनुमतियां आदि से संबंधित कार्य भी होंगे। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सर्दी खत्म होने से पहले हर रोज खा लेंगे एक गाजर तो पूरे साल रहेंगे फिट एंड फाइन

गाजर में कई तरह के पोषक तत्व होते हैं जो शरीर के लिए काफी ज्यादा लाभदायक होते हैं। सर्दियों में गाजर खूब मिलते हैं। इसलिए इस मौसम में गाजर खाने की सलाह दी जाती है। जो लोग इस सर्दी गाजर नहीं खा पाए हैं उन्हें खास सलाह है कि सर्दी बस खत्म होने वाली गाजर खा ले। क्योंकि फिर आपको पूरे साले मौका नहीं मिलेगा। गाजर में कुछ खास तरह के विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आंख, लिवर, किडनी और शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। इन सब के अलावा यह सब्जी हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। आइए जाने हर रोज एक गाजर खाने के फायदे।

रोज 1 गाजर खाने के फायदे

आंखों के लिए

गाजर में भरपूर मात्रा में विटामिन ए और अल्फा-कैरोटीन, बीटा-कैरोटीन नाम के दो कैरोटीनॉयड होते हैं। लेकिन गाजर में सिर्फ एक पोषक तत्व नहीं बल्कि कई सारे पोषक तत्व होते हैं जो आंखों के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। गाजर में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन आंखों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। यह आंखों की रेटिना और लेंस के लिए अच्छा होता है। रोज एक गाजर खाएं यह सेहत के लिए अच्छा होता है।

शुगर मैनेज करने में मददगार

गाजर में ढेर सारे फाइबर होते हैं जो ब्लड शुगर और इंसुलिन के लिए काफी ज्यादा अच्छा होता है। कच्ची या थोड़ी पकी हुई गाजर में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है।जो शुगर बैलेंस में मदद करता है। डायबिटीज के मरीज आराम से गाजर खा सकते हैं।

वजन को करना है कंट्रोल

गाजर की सबसे खास बात यह है कि इसमें 88 प्रतिशत तक पानी होता है। इसमें फाइबर और रफेज होती है। जिससे वजन कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा अगर आप हर रोज एक गाजर खा लेते हैं तो लगभग 80 प्रतिशत कैलोरीज खा लेते हैं जिसके कारण काफी देर तक पेट भरा हुआ लगता है। यह सब्जी वजन कंट्रोल करने में मदद करता है।

बीपी बैलेंस करने में होता है कारगर

अगर आपका बीपी हाई है तो हर रोज 1 गाजर खाना चाहिए। गाजर में पोटेशियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है। जो बीपी बैलेंस करने का काम करती है। साथ ही यह शरीर में सोडियम का लेवल बैलेंस करता है। जिससे बीपी कंट्रोल में रहता है। दिल को हेल्दी रखने में गाजर काफी ज्यादा अच्छा होता है। (आरएनएस)

मीरा देओस्थले ने कुछ रीत जगत की ऐसी है में अपनी भूमिका के बारे में किया खुलासा

एक्ट्रेस मीरा देओस्थले जल्द ही अपकमिंग शो कुछ रीत जगत की ऐसी है में नजर आएंगी। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताने की जरूरत है।

कुछ रीत जगत की ऐसी है की कहानी नंदिनी की इर्द-गिर्द घूमती है। यह शो हमारे समाज की प्रचलित दहेज संस्कृति पर प्रकाश डालता है, जिसमें नंदिनी मांग करती है, मुझे मेरा दहेज वापस चाहिए।

मीरा का नंदिनी का चित्रण शक्ति के प्रतीक के रूप में कार्य करता है, जो महिलाओं के आत्म-सम्मान को अपमानित करने वाली सदियों पुरानी मान्यताओं को चुनौती देता है। इस किरदार को निभाने के बारे में बोलते हुए, मीरा, जो ससुराल सिमर का में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, ने कहा- मेरा मानना है कि यह एक ऐसी कहानी है जिसे बताने की जरूरत है, लोगों को हमारे समाज में मौजूद कुरीतियों पर सवाल उठाने की जरूरत है, और मैं ऐसे मजबूत उद्देश्य वाला किरदार निभाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि बेटियां प्यार के लिए होती हैं, दहेज के नाम पर नहीं, और यही वह स्थायी छाप है जो मैं इस शो में अपने किरदार के साथ बनाना चाहती हूं। मीरा ने कहा, नंदिनी को नहीं पता था कि उसकी शादी में दहेज दिया गया था, लेकिन यह शो एक सुखी वैवाहिक जीवन में होने के बावजूद उसकी साहसी यात्रा का अनुसरण करेगा, जिसमें वह अपने ससुराल वालों के खिलाफ खड़े होने का फैसला करती है और कहती है, मुझे मेरा दहेज वापस चाहिए।

गुजरात पर आधारित यह शो 19 फरवरी से सोनी पर प्रसारित होगा।

शब्द सामर्थ्य · 72

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे

1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

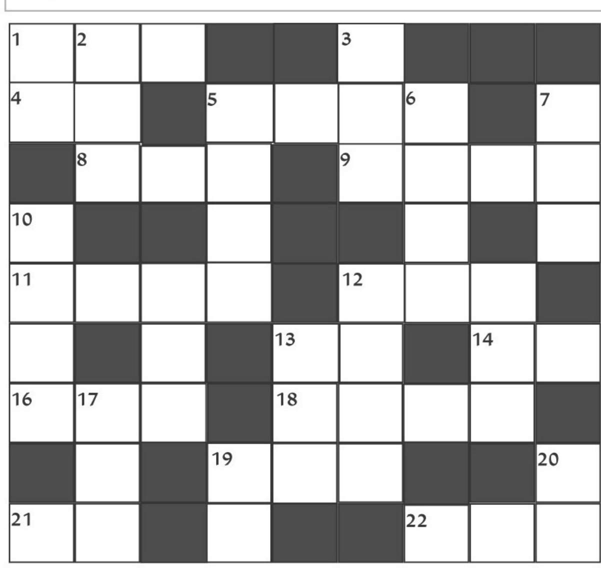

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 71 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

थिएटर्स के बाद नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म गुंटूर कारम

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म गुंटूर कारम पिछले साल ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। फिल्म में महेश बाबू के स्टाइल देख भी फैंस काफी इंप्रेस हुए थे। थिएटर के बाद फैंस अब इसके ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे थे। अब जिन फैंस ने फिल्म को थिएटर में नहीं देखा है वो इसे घर बैठे ओटीटी पर देख सकते हैं। फिल्म नेटफ्लिक्स पर तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में उपलब्ध है। इस बात की जानकारी दुख नेटफ्लिक्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी। गुरुवार को नेटफ्लिक्स ने फिल्म का एक ट्रेलर पोस्ट करते हुए लिखा- अगले 12 घमटों के लिए मेरा दिमाग- सारा सारा सूलम, गुंटूर कारम, तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में 12 घंटे में नेटफ्लिक्स पर आ रहा है। बता दें कि, ये फिल्म 12 जनवरी को सिनेमघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को अभी एक महीना भी पूरा नहीं हुआ है और मेकर्स ने इसे ओटीटी पर रिलीज कर दिया है। गुंटूर कारम का कई फिल्मों के साथ क्लैश हुआ था, लेकिन इसके बादवूज ये फिल्म दर्शकों के दिलों में उतरने में सफल रही । फिल्म ने अच्छा खास कलेक्शन भी किया। 12 जनवरी को गुंटूर कारम के साथ ही कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की मैरी क्रिसमस, सैंधव, ना सामी रांगा और हनुमान जैसी फिल्में रिलीज हुई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो, फिल्म ने कुल 46 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। हालांकि, फिल्म का कलेक्शन धीरे-धीरे बढ़ रहा है। फिल्म को त्रिविक्रम श्रीनिवास ने डायरेक्टर किया है। लेकिन अब ओटीटी पर आने के बाद फैंस इस फिल्म को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में भरपूर एक्शन देखने को मिला है। (आरएनएस)

राम चरण की फिल्म आरसी16 में नजर आएंगी जाह्नवी कपूर

अभिनेता राम चरण मौजूदा वक्त में अपनी आगामी फिल्म गेम चेंजर की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा।गेम चेंजर की शूटिंग खत्म करने के बाद राम चरण अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू करेंगे, जिसका नाम फिलहाल आरसी16 रखा गया है।ताजा खबर यह है कि इस फिल्म राम चरण की जोड़ी दिवगंत अभिनेत्री श्रीदेवी के बेटी और बेहतरीन अदाकारी जाह्नवी कपूर के साथ बनेगी।

आरसी16 के निर्देशन की कमान बुच्ची बाबू ने संभाली है। रिपोर्ट के अनुसार, निर्माताओं ने फिल्म में महिला प्रधान भूमिका निभाने के लिए जाह्नवी से संपर्क किया है। दोनों के बीच लगातार बातचीत जारी है।यह पहली बार होगा जब राम चरण और जाह्नवी साथ में काम करेंगे। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। आरसी16 को एक गांव आधारित फिल्म कहा जाता है, जो एक बाहरी मनोरंजन के रूप में बनाई गई है।

जाह्नवी को आखिरी बार वरुण धवन के साथ फिल्म बवाल में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हुई। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।इस वक्त जाह्नवी की झोली में ढेर सारी फिल्में हैं। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म देवरा की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें वह जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी।यह फिल्म 5 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।इसके अलावा जाह्नवी मिस्टर एंड मिसेज माही और उलझ में दिखाई देंगी।(आरएनएस)

जवानी जानेमन ने लगा दी मेरी नैया पार:अलाया एफ

पूजा बेदी की बेटी अलाया एफ ने सैफ अली खान के साथ फिल्म जवानी जानेमन से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी और पहली ही फिल्म से उन्होंने दर्शकों का दिल जीत लिया था।आने वाले दिनों में जहां वह राजकुमार राव के साथ पर्दे पर नजर आएंगी, वहीं फिल्म बड़े मियां छोटे मियां भी उनके खाते से जुड़ी है।हाल ही में अलाया ने अपने करियर पर खुलकर बात की।

अलाया ने कहा, कोरोना महामारी के बाद कोई भी सिनेमाघर जाने को तैयार नहीं था। मैं अब भी आभारी हूं कि मैं लॉकडाउन से ठीक पहले रिलीज पाने में कामयाब रही।उन्होंने कहा, जवानी जानेमन के लिए मुझे जो प्यार मिला, उसका फायदा मुझे 3 साल तक होता रहा, वरना वो 3 साल मुझे ले डूबे होते। मुझे फिल्म के लिए बहुत प्यार मिला और इसने मुझे महामारी के दौरान बॉलीवुड में टिके रहने में मदद की।

बातचीत में अलाया आगे बोलीं, मैं सिर्फ इस बात से खुश हूं कि लोगों को मेरा काम पसंद आया। यह एक कठिन फिल्म इंडस्ट्री है। मेरी सभी फिल्मों में मेरे प्रदर्शन और मेरे काम की समीक्षा बहुत सकारात्मक रूप से की गई, इसलिए मुझे लगता है, मुझे जो करना है, वो कर रही हूं और लोगों को यह पसंद आ रहा है। ऐसे में मुझे और क्या साबित करने की जरूरत है?

अलाया जल्द ही राजकुमार राव के साथ फिल्म श्री में नजर आएंगी, जो श्रीकांत बोला के जीवन पर आधारित है।अभिनेता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, राजकुमार सेट पर अपने किरदार में डूबे रहते हैं। उन्हें देखना अविश्वसनीस है। मेरा मतलब है, वह जो करते हैं, उसे देखना एक मास्टरक्लास है। वह वास्तव में बहुत प्यारे और दयालु इंसान हैं। लिहाजा उनके साथ काम करना मेरे लिए एक बेहतरीन अनुभव रहा।

अलाया अभिनेत्री पूजा बेदी की बेटी है और उनके नाना कबीर बेदी हैं। वह बचपन से ही फिल्मी परिवेश में पली-बढ़ी हैं।अलाया का असली नाम आलिया है। इंडस्ट्री में आलिया भट्ट थीं, इसलिए उन्होंने अपना नाम बदला। पहले उन्होंने बस नाम की स्पेलिंग में बदलाव किया था, लेकिन करण जौहर के सुझाव पर उन्होंने नाम अलाया कर लिया।जवानी जानेमन के बाद अलाया फ्रेडी, ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत और यू-टर्न जैसी 3 फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने रेड आउटफिट में बिखेरे हुस्न के जलवे

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपनी अदाकारी का जादू साउथ सिनेमा के साथ-साथ बॉलीवुड में भी खूब चलाया है। रकुल के चाहने वाले उन्हें हमेशा ही पर्दे पर देखने के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी अपने फैंस के साथ जुडऩे का कोई मौका नहीं छोड़तीं। ऐसे में रकुल सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। ऐसे में लगभग हर दिन फैंस के साथ अपने नए लुक्स शेयर कर दिलों की धड?नें बढ़ाती रहती हैं। अब फिर से एक्ट्रेस ने अपनी स्टाइलिश अदाएं दिखाते हुए कुछ फोटोज शेयर की हैं। लेटेस्ट फोटोशूट में रकुल को रेड स्कर्ट और मैचिंग ब्रालेट टॉप पहने हुए देखा जा रहा है। एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड शिमरी लिप्स और मिनिमल आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को ओपन रखा हुआ है। रकुल ने अपने इस लुक के साथ एक्सेसरीज के तौर पर गोल्ड हूप ईयररिंग्स और गोल्ड के ब्रेसलेट कैरी किए हैं। इस लुक में रकुल बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। अब एक्ट्रेस के चाहने वालों के बीच उनका ये नया लुक काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस उन पर प्यार लुटाते हुए खूब कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, कुछ ही देर में उनकी तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते ही जा रहे हैं। दूसरी ओर रकुल के वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस लगातार कई प्रोजेक्ट्स के लिए साइन कर रही हैं। जल्द ही उन्हें फिल्म इंडियन 2 में देखा जाने वाला है। इसके बाद रकुल मेरी पत्नी के रीमेक में भी नजर आएंगी। फैंस उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं।

अवनीत कौर के लेटेस्ट फोटोशूट ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

छोटे पर्दे से बॉलीवुड इंडस्ट्री तक में कदम रखने वाली अभिनेत्री अवनीत कौर ने बेहद कम उम्र में लोगों के बीच अपनी पहचान बना चुकीं हैं। चाहे एक्टिंग हो या फिर डांसिंग एक्ट्रेस हर चीज में आगे हैं। हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

इन फोटोज में उनका किलर लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेशा अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस और बोल्ड लुक्स से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज और डांसिंग वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट ग्रीन बॉडीकॉन आउटफिट में फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

ओपन हेयर, न्यूड लिप्सटिक लगाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस अवनीत कौर के सोशल मीडिया पर मिलियन फैंस हैं। और वो आए दिन अपनी हर एक पोस्ट से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपनी हर एक स्टनिंग अदाओं से कैमरे के सामने एक से बढ?र एक सेक्सी पोज दे रही हैं। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। हालांकि फैंस भी उनकी हर एक तस्वीर पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी प्रतिक्रियाएं देते नहीं थकते हैं।

चुनाव तो लोक लुभावन घोषणाओं पर ही

अजीत द्विवेदी

भाजपा की केंद्र सरकार ने अंतरिम बजट में लोक लुभावन घोषणाएं नहीं कीं तो इसके लिए उसकी बड़ी वाह-वाही हुई। मीडिया में यह नैरेटिव बना कि नरेंद्र मोदी की सरकार इस बार लोकसभा चुनाव को लेकर इतने भरोसे में है कि उसे चुनावी साल के बजट में भी कोई लोक लुभावन घोषणा करने की जरुरत नहीं पड़ी। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? क्या सचमुच सरकार अगला चुनाव जीत लेने के भरोसे में है और इसलिए उसने अंतरिम बजट में बड़ी बड़ी घोषणाएं नहीं कीं और 'मुफ्त की रेवड़ी' बांटने से परहेज किया? असल में यह सचाई नहीं है। न तो केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी चुनावी जीत को लेकर पूरे भरोसे में है और न उसने लोक लुभावन घोषणाओं से परहेज किया है। बजट में भी ऐसी कई घोषणाएं हैं, जिनसे लाभार्थियों की संख्या बढ़ेगी। ये लाभार्थी ही भाजपा और नरेंद्र मोदी के सबसे बड़े समर्थक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे बड़ी लोक लुभावन घोषणा पिछले साल के अंत में छत्तीसगढ़ में कर दी थी। राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने ऐलान किया कि उनकी सरकार मुफ्त में पांच किलो अनाज बांटने की योजना को अगले पांच साल तक जारी रखेगी। बहुत सोच समझ कर उन्होंने पांच साल का ऐलान किया। आमतौर पर चुनाव से पहले होने वाली घोषणाओं में यह खतरा रहता है कि जनता उसको समझ जाती है और मानती है कि चुनाव के बाद इस घोषणा पर अमल नहीं होगा। इसलिए सीधे पांच साल के लिए इसे बढ़ाया गया ताकि जनता को भरोसा रहे कि जून के बाद भी योजना जारी रहेगी। ध्यान रहे इससे पहले हर बार छह छह महीने के लिए इस योजना को बढ़ाया जाता था। इस योजना के लाभार्थियों की संख्या ८० करोड़ है। इनको हर महीने पांच किलो अनाज देने की योजना पर हर साल करीब दो लाख करोड़ रुपए का खर्च आएगा। सवाल है कि जब नवंबर में ही दो लाख करोड़ रुपए की सालाना खर्च वाली लोक लुभावन योजना की घोषणा हो गई तो बजट में और किसी योजना की क्या जरुरत रह गई थी?

दूसरी बात यह है कि पहले से चल रही किसी भी लोक लुभावन योजना को बंद नहीं किया गया है। किसानों को मिलने वाली छह हजार रुपए की किसान सम्मान निधि योजना जारी रहेगी। लखपति दीदी बनाने की योजना के तहत अगले वित्त वर्ष में तीन करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने की योजना भी चल रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना चल रही है, जिसके तहत दावा किया गया है कि अभी तक तीन करोड़ घर बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा मध्य वर्ग के लिए मकान बनाने की घोषणा इस बार की गई है। यह भी बड़ी योजना है, जिसके तहत दो करोड़ घर बनाए जाएंगे। प्रत्यक्ष कर यानी आयकर में किसी नए छूट की जरुरत इसलिए नहीं थी क्योंकि केंद्र सरकार द्वारा घोषित नया टैक्स रिजीम यानी नई कर व्यवस्था लागू हो गई है, जिसके तहत साढ़े सात लाख रुपए तक की आय पूरी तरह से कर मुक्त होगी। आयकर रिटर्न भरने वाली ज्यादातर आबादी इस दायरे में आ जाएगी। वैसे भी सरकार करदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी का जो दावा कर रही है उसकी हकीकत यह है कि आयकर रिटर्न भरने वाले साढ़े छह करोड़ लोगों में से चार करोड़ तीस लाख के करीब लोगों ने कोई टैक्स नहीं दिया है। सिर्फ रिटर्न भरा है।

दूसरी ओर भाजपा की सरकारों ने राज्यों के लिए जो योजनाएं शुरू की हैं उन्हें भी जारी रखा गया है और साथ ही नई योजनाएं भी शुरू हुई हैं। मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को साढ़े 12 सौ रुपए प्रति महीने मिल रहे हैं तो उधर छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना शुरू कर दी गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को एक हजार रुपए महीना दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने सात लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का बजट पेश किया है, जिसमें उन्होंने किसानों के लिए मासिक पेंशन की योजना शुरू की है। इस योजना के तहत राज्य के लघु व सीमांत किसानों को ६० साल की उम्र पूरी करने के बाद तीन हजार रुपए मासिक पेंशन मिलेगी। यह पेंशन महिला और पुरुष दोनों किसानों को मिलेगी। ऐसी अनेक योजना अलग अलग राज्यों में चल रही हैं।

इस बीच बजट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव पूर्व दौरे पर निकले तो हर राज्य में हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं। बजट के बाद वे सबसे पहले ओडिशा गए, जहां उन्होंने एक बार में 63 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उसके बाद वे असम गए, जहां साढ़े 11 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें कामाख्या दिव्यलोक कॉरिडोर का शिलान्यास भी है, जिस पर पांच सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अयोध्या के भव्य कार्यक्रम के बाद उन्हें मां कामाख्या के मंदिर के सौंदर्यीकरण की परियोजना का शिलान्यास करने का मौका मिला है। जाहिर है कि अयोध्या में भगवान राम से लेकर असम में मां कामाख्या तक का नैरेटिव लोक लुभावन चुनावी रणनीति का ही हिस्सा है। अगले महीने के पहले या दूसरे हफ्ते में लोकसभा चुनाव की घोषणा होगी। उससे पहले पूरे एक महीने तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूरे देश में दौरे होंगे और हर राज्य में हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। क्या इसे लोक लुभावन घोषणा में शामिल नहीं करेंगे?

ध्यान रहे पिछले काफी समय से लोक लुभावन घोषणाएं बजट में होनी बंद हो गई हैं। अब बजट से बाहर ऐसी बड़ी घोषणाएं होती हैं। मुफ्त अनाज की योजना की भी पहली बार घोषणा बजट में नहीं हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से जितनी गारंटियों का जिक्र किया जा रहा है उनमें से शायद ही कोई गारंटी होगी, जिसकी घोषणा बजट में की गई होगी। अब ज्यादातर घोषणाएं चुनावों से पहले और बजट से बाहर की जाती हैं। इसलिए संभव है कि चुनाव की घोषणा से पहले अगले एक महीने में कोई बड़ी घोषणा हो। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि देश के राजनीतिक हालात किस तरह से बढ़ते बदलते हैं। अगर विपक्षी पार्टियां एकजुट होती हैं। उनमें सीटों का बंटवारा सहज ढंग से होता है तो संभव है कि कुछ बड़ी बड़ी लोक लुभावन घोषणाएं हों या और भावनात्मक मुद्दे उछाले जाएं। अयोध्या में रामलला विराजमान हो चुके हैं लेकिन मथुरा और काशी का आंदोलन तेज हो गया है। आने वाले दिनों में इसके भी नए रूप देखने को मिलेंगे। मंडल और कमंडल दोनों की राजनीति को साधने के लिए कर्पूरी ठाकुर के बाद लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। यह सब चुनावी राजनीति का ही हिस्सा है। इसलिए बजट में कुछ घोषणाएं नहीं हुई हैं इसका यह मतलब नहीं है कि सरकार बिना किसी लोक लुभावन या भावनात्मक मुद्दे के चुनाव में जा रही है।

सू- दोकू क्र. 72

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.71 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

दक्षिणी राज्यों का मोर्चा

दक्षिणी राज्यों की साझा शिकायत है कि केंद्र सरकार संविधान में निहित वित्तीय संघवाद की भावना का उल्लंघन कर रही है। जीएसटी के तहत उन राज्यों से जो टैक्स वसूला जाता है, उसमें उन्हें उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया दल-बल के साथ नई दिल्ली पहुंचे हैं। गुरुवार को ऐसा ही मोर्चा लेकर केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन जंतर-मंतर पहुंचेंगे। इसके ठीक पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विजयन को पत्र लिख कर कहा है कि उनका राज्य ना सिर्फ इस लड़ाई में केरल के साथ है, बल्कि इस बारे में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के साथ खुद को भी संबंधित करेगी।

इस घटनाक्रम के सार को समेटते हुए कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खडके ने कहा है कि फिलहाल दक्षिणी राज्य अलग-अलग लड़ रहे हैं, लेकिन देर-सबेर उनका मोर्चा बनना तय है। संकेत हैं कि तेलंगाना भी इस संघर्ष से जुड़ेगा। इन सभी राज्यों की साझा शिकायत है कि केंद्र सरकार संविधान में निहित वित्तीय संघवाद की भावना का उल्लंघन कर रही है।

जीएसटी के तहत उन राज्यों से जो टैक्स वसूला जाता है, उसमें उन्हें उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। स्टालिन का दावा है कि जीएसटी से पहले के समय की तुलना में तमिलनाडु को हर साल 2० हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है।

इस महीने पेश अंतरिम बजट के प्रावधानों से दक्षिणी राज्यों में असंतोष और बढ़ा है। उन प्रावधानों टिप्पणी करते हुए पर कर्नाटक से कांग्रेस के एक सांसद ने तो यहां तक कह दिया कि अगर केंद्र का यही रवैया रहा, तो दक्षिणी राज्यो से अलग देश बनाने की मांग उठ सकती है। इस बीच उन राज्यों में 2० 26 में संभावित लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर भी आशंका गहरा गई है। उन्हें भय है कि अगर आबादी को इसका आधार बनाया गया, तो लोकसभा में उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात घट जाएगा, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के प्रतिनिधित्व में भारी इजाफा होगा।

उनका कहा है कि इस तरह उन्हें बेहतर विकास करने और जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाने की सजा मिलेगी। कहा जा सकता है कि ये सारी गंभीर शिकायतें हैं। अगर केंद्र सरकार संवेदनशील है और बन रही परिस्थिति के संभावित परिणामों को समझती है, तो उसे तुरंत दक्षिणी सरकारों से संवाद कायम करते हुए उनकी शिकायतों को दूर करना चाहिए।(आरएनएस)

केट शर्मा सेक्सी आउटफिट पहन दिए किलर पोज

टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा हमेशा अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगता है।

एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस का दिल तेजी से धडकनें लगा है

केट शर्मा बाखूबी जानती हैं कि उन्हें अपने फैंस का दिल कैसे चोरी करना है. आए दिन वे हॉट और सेक्सी तस्वीरों के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं. केट ने ऑफ व्हाइट कलर का सेक्सी आउटफिट पहना है, लाइट मेकअप के साथ बाल खुले रखे हैं और कैमरे के सामने एक से बढकर एक किलर पोज दे रही हैं. एक्ट्रेस के किलर पोज और हॉटनेस देख यूजर्स घायल हो गए हैं और वे कमेंट बॉक्स पर फायर इमोजी की बारिश कर रहे हैं.

एक्ट्रेस केट शर्मा आए दिन अपनी ग्लैमरस अदाओं का जलवा फैंस के बीच बिखेर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके बोल्ड लुक को देखकर लोग आहें भरने लगते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस केट शर्मा की लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगी हैं।

केट शर्मा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस के हर एक पोस्ट का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही ट्रेंड करने लगता है।(आरएनएस)

विजिलेंस अधिकारी से अवैध वसूली के प्रयास, मुकदमा दर्ज

हरिद्वार (हसं)। विजिलेंस अधिकारी के घर के निर्माण को अवैध बता शिकायत कर सील कराने का डर दिखाते हुए जबरन वसूली के प्रयास के मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारी से शिकायत न करने की एवज में 10 हजार की रकम मांगी गई थी। जानकारी के अनुसार मनोज कुमार निवासी एस-37 पांडव नगर दिल्ली ज्वालापुर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि वह मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे विजिलेंस में अधिकारी के तौर पर कार्यरत हैं। बताया कि आर्यनगर क्षेत्र में वह अपने प्लॉट पर मकान का निर्माण करवा रहे हैं। निर्माण से पहले एचआरडीए से मानचित्र स्वीकृत कराया था। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू करवाया। वह दिल्ली से 13 फरवरी को आए तो उनका निर्माण कार्य बंद मिला। साइट पर काम करने वाले मिस्त्री से जानकारी ली। तब उसने बताया कि 15-20 दिन पहले खुद को पत्रकार बताने वाले हिमांशु राजपूत और मोहित चौहान निर्माणाधीन मकान पर आए। दोनों ने निर्माण को अवैध बताते हुए 10 हजार की रकम मांगी। रकम न देने पर हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण में शिकायत कर निर्माण को सील कराने की धमकी दी। पैसे न देने पर अब दोनों मानसिक रूप से उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। कोतवाली प्रभारी रमेश सिंह तनवार ने बताया कि आरोपी हिमांशु राजपूत और मोहित चौहान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

चोरी की दो स्कूटी सहित दो गिरफ्तार

हरिद्वार(हसं)। दुपहिया वाहन चोरियों का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चुरायी गयी दो स्कूटी भी बरामद की गयी है। आरोपी नशापूर्ति के लिये वाहन चोरियों की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। जानकारी के अनुसार बीती 15 जनवरी को दिपांशु डण्डरियाल पुत्र रामभूषण निवासी 38 बिल्केश्वर रोड द्वारा कोतवाली नगर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी स्कूटी को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। वाहन चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने बीते रोज एक सूचना के आधार पर पुराना रानीपुर मोड अण्डर पास से आरोपी सागर पुत्र सुनील कुमार तथा शिवम मिश्रा पुत्र स्व. राजेन्द्र मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके कब्जे से चुरायी गयी दो स्कूटी भी बरामद की गयी है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में आरोपियों द्वारा बताया गया कि वह शराब इत्यादि का नशा करते हैं जिनकी पूर्ति किये जानें व दैनिक आजीविका चलानें हेतु वह वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे थे।

सैन्यकर्मी के नाम पर ड्रोन कैमरा कराया फाईनेंस

देहरादून। सैन्य कर्मचारी के नाम पर ड्रोन कैमरा फाईनेंस कराने पर उसके खाते से 21 हजार रूपये किश्त के रूप में कट गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय सैन्य अकादमी के कर्मचारी राजिन्द्र लाल ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह हवलदार के पद पर कार्यरत है तथा वर्तमान में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पुणे में ड्रिल उस्ताद के पद पर कार्यरत है। उसने बताया कि वर्ष 2017 से 2022 तक भारतीय सैन्य अकादमी में कार्यरत था जिस दौरान उसने प्रेमनगर से बजाज फाईनेंस से एक फ्रीज फाईनेंस कराया था और उन्होंने उसके कुछ दस्तावेज व मोबाइल नम्बर लिया था। उसके द्वारा वह नम्बर बंद कर दिया गया था। कम्पनी के द्वारा उक्त नम्बर किसी अन्य व्यक्ति को जारी किया गया। तीन साल के बाद उसकी वहां से पोस्टिंग हो गयी। जिस व्यक्ति को वो नम्बर जारी किया गया था उसके द्वारा बिना उसकी अनुमति के उसके दस्तावेजों का इस्तेमाल करते हुए आठ लाख का ड्रोन कैमरा खरीदा गया और उसके खाते से वर्ष 2022 में 10 हजार 234 रूपये पहली किश्त काटी गयी इसी प्रकार उसके खाते से 21 हजार 488 रूपये किश्त के रूप में कट गये। जब वह बजाज वालों के पास गया तो उन्होंने उसको मुकदमा दर्ज कराने के लिए कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड पर लगाई.

◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

आदमी के जानने के अधिकार का खुला उल्लंघन है। केंद्र की सत्ताधारी भाजपा को सुप्रीम कोर्ट का फैसला सिर्फ इसलिए बड़ा झटका नहीं है कि वह इस बांड व्यवस्था को लेकर आई थी बल्कि इसलिए भी बड़ा झटका है क्योंकि इस बांड के जरिए उसे ही सबसे प्रचुर मात्रा में कारपोरेट से धन की प्राप्ति हो रही थी। एक अनुमान के अनुसार इस बांड से मिलने वाले चंदे का 72 फीसदी भाजपा को मिलता है जो 11000 करोड़ से अधिक बताया जाता है जबकि बाकी 28 फीसदी यानि 4000 करोड़ में कांग्रेस सहित अन्य सभी राजनीतिक दल शामिल है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से इस चंदे के गोरखधंधे का काला सच देश की जनता के सामने भी आएगा जो भाजपा के लिए बड़ा मुसीबत का सबब बन सकता है।

धामी के रोड शो में उमड़ी महिलाओं की...

◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

के लिए चलाई जा रही तमाम योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि यूसीसी के लागू होने से महिलाओं में सुरक्षा का भाव बढ़ेगा। सीएम के इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में महिलाएं पहुंची थी सीएम ने इस अवसर पर हजारों करोड़ों की विकास योजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण भी किया।

150 करोड़ प्रतिबंधित प्लास्टिक होलोग्राम पर्यावरण में जहर घोलेंगे: थापर

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने कहा कि आबकारी विभाग का 150 करोड प्लास्टिक होलोग्राम प्रदेश के पर्यावरण में जहर घोलेगा।

आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा व वरिष्ठ कांग्रेस नेता अभिनव थापर ने कांग्रेस मुख्यालय, देहरादून में प्रेस-वार्ता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 15 अगस्त 2019 के लाल-किले से भाषण के अंश को दिखाया जिसमें उन्होंने पूरे देश से प्लास्टिक होलोग्राम पर प्रतिबंध की अपील की। प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश पर केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा उत्तराखंड के आबकारी विभाग को 18

जनवरी 2024 में प्लास्टिक युक्त होलोग्राम की शिकायत पर तीन हफ्ते में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिये, किन्तु तीन हफ्ते बीत जाने के बाद भी आबकारी विभाग ने केंद्र सरकार के आदेशों पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं करी और आश्चर्यजनक रूप से प्रतिबंधित नीति पर प्रधानमंत्री कार्यालय के आदेशों को दरकिनार कर 150 करोड़ प्लास्टिक होलोग्राम की प्रकिया जारी है।

मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने पर पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने पर पति पत्नी पर एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवली ग्राम निवासी दशरथ सोनकर ने एसएसपी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह कांवली गांव में कई वर्षो से रह रहा है। उसके पास ही अजीत सिंह उर्फ अजी लूथरा व उसकी पत्नी हरदीप कौर रहते हैं तथा दोनों पति पत्नी उसकी सम्पत्ति पर कब्जा करने की नियत रखते हैं। 6 अप्रैल 2023 को दोनों पति पत्नी न` उसकी सम्पत्ति में घुसकर हथोडे से दीवार को तोडने का प्रयास किया तो उसने उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग किया। जिसकी शिकायत उसके द्वारा बसंत विहार थाने व सीओ से की लेकिन उनके द्वारा कोई कार्यवाही न किये जाने पर दोनों पति पत्नी के हौसले बढने लगे। उसने कहा कि उसको व उसके परिवार को अजीत लूथरा व उसकी पत्नी से जान माल का खतरा बना हुआ है। एसएसपी के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

50 हजार की रंगदारी मांगने वाला एक माह बाद गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पचास हजार की रंगदारी मांगने वाले को पुलिस ने एक माह बाद गिरफ्तार कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मौहम्मद वाहिद ने 14 जनवरी को नेहरू कालोनी थाने में विकास सुन्दरियाल उर्फ सोनू मूंछ पुत्र किशन चंद्र सुन्दरियाल निवासी अपर राजीव नगर आदि के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने व पचास हजार रूपये की रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमें के बाद से ही नामजद विकास सुन्दरियाल उर्फ सोनू मूंछ फरार चल रहा था। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए एसएसपी अजय सिंह द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तत्काल टीम गठित कर आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किये गये। एसएसपी के निर्देशों के अनुपालन में गठित टीम द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए प्रयास शुरू किये। पुलिस के प्रयास के चलते गत दिवस नेहरू कालोनी

थाना पुलिस ने एक माह बाद विकास को बलवीर रोड पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार विकास सुन्दरियाल उर्फ सोनू मूंछ एक शातिर किस्म का अपराधी है जिसके ऊपर पूर्व में जनपद के विभिन्न थानों में कई संगीन धाराओं में मुकदमें दर्ज है। विगत 2023 में थाना नेहरू कालोनी पुलिस ने गुण्डा एक्ट लगाकर उसको जिला बदर किया गया था। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आंगनबाडी कार्यकत्रियों ने किया सचिवालय कूच

संवाददाता

देहरादून। अपनी मांगों को लेकर आंगनबाडी कार्यकत्रियों ने सचिवालय कूच कर मुख्यमंत्री के ओएसडी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

आज यहां आंगनबाडी कार्यकत्रियां परेड ग्राउंड में एकत्रित हुई। जहां से उन्होंने उत्तराखण्ड राज्य आंगनबाडी कर्मचारी संघ के बैनर तले सचिवालय के लिए कूच किया। जब वह सचिवालय के करीब पहुंचे तो पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया जिसके बाद वह वहीं धरने पर बैठ गयी। कुछ देर बाद मुख्यमंत्री के ओएसडी सचिवालय के गेट पर पहुंचे जहां पर आंगनबाडी कार्यकत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल वहां पर पहुंचा और उन्होंने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन उनको सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि आंगनबाडी कार्यकत्रियां

लम्बे समय से अपनी मांगों व समस्याओं को लेकर सरकार व विभाग से समाधान के लिए प्रयास कर रही है लेकिन सरकार व विभाग द्वारा उनकी समस्याओं को अनदेखा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिनी आंगनबाडी केन्द्रों के उच्चीकरण की सहमति भारत सरकार द्वारा दी जा चुकी है लेकिन राज्य सरकार ने विभागीय स्तर पर इसमें अभी तक कोई भी कार्रवाई नहीं की, उच्चीकरण प्रक्रिया जल्द शुरू की जाये। उन्होंने कहा कि आंगनबाडी कार्यकत्रियों के लिए भविष्य निधि की सुविधा प्रदान की जाये तथा सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढकर 62 वर्ष की जाये इसके साथ ही सेवानिवृत्त होने पर पेंशन का लाभ भी दिया जाये।

एक नजर

पीएम मोदी ने अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर में पत्थर पर लिखा 'वसुधैव कुटुंबकम'

नई दिल्ली। अबू धाबी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूएई में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पीएम ने मंदिर बनाने वाले कारीगरों से मुलाकात की। इसके बाद पीएम ने पत्थर पर वसुधैव कुटुंबकम लिखा। पत्थर पर वसुधैव कुटुंबकम उकेरने के लिए पीएम ने खुद छेनी और हथौड़े का इस्तेमाल किया। यूएई में बने मंदिर से पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र दिया गया है। बता दें कि वसुधैव कुटुम्बकम् सनातन धर्म का मूल विचार है। इसका मतलब है पूरी दुनिया एक परिवार है।

बोचासनवासी श्री अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा निर्मित मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री ने अबू धाबी में भव्य मंदिर को वास्तविकता बनाने के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद जायद अल नाहयान को धन्यवाद दिया और कहा कि उन्होंने खाड़ी देश में रहने वाले भारतीयों के साथ-साथ 140 करोड़ भारतीयों का भी दिल जीत लिया।

पीएम मोदी ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''मुझे उम्मीद है कि बीएपीएस मंदिर पूरी दुनिया के लिए सांप्रदायिक सद्भाव और वैश्विक एकता का प्रतीक बन जाएगा। इस दौरान यूएई के सहिष्णुता मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान और विभिन्न धर्मों के आध्यात्मिक गुरु उपस्थित थे।

परमवीर चक्र विजेता शहीद विक्रम बत्रा की मां कमलकांत बत्रा का निधन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की पूर्व नेता और कारगिल युद्ध के नायक कैप्टन विक्रम बत्रा की मां कमलकांत बत्रा का बुधवार को निधन हो गया। वह 77 साल की थीं। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के पालमपुर में अंतिम सांस ली। उन्हें हर्ट अटैक आया था।

कमलकांत बत्रा ने साल 2014 में लोकसभा चुनाव भी लड़ा था। उन्होंने आम आदमी पार्टी की ओर से चुनाव लड़ा था। हालांकि, चुनाव में उन्हें हार मिली। बाद में उन्होंने 'आप' से इस्तीफा दे दिया।

कमलकांत बत्रा के निधन पर हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा जी की माता श्रीमती कमलकांत बत्रा जी के निधन की दु:खद सूचना मिली। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि माता जी को श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को अपार दु:ख सहने की क्षमता दें। ऊं शांति!

विक्रम बत्रा 24 साल की उम्र में 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना से लड़ते हुए शहीद हो गए थे। दिवंगत कैप्टन को उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। उन्हें कारगिल जंग के दौरान शेरशाह नाम दिया गया था।

छात्रा पर जानलेवा हमला करने वाले के घर पर हुई बुल्डोजर की कार्यवाही

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। छात्रा पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी के घर पर पुलिस प्रशासन द्वारा बुल्डोजर की कार्यवाही की गयी है। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स की मौजूदगी रही।

बता दें कि विगत सोमवार शाम को एक 19 वर्षीय छात्रा जो अपनी बहन के साथ कोचिंग जा रही थी, रास्ते में मोहल्ला खालसा निवासी फरदीन ने अपने बाइक सवार साथी रऊफ के साथ मिलकर उस पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया गया था। पीड़िता के पिता की तरफ से दर्ज कराये गये मुकदमें में फरदीन के परिजनों को भी नामजद किया गया था। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मात्र कुछ घंटों के दौरान ही फरदीन को उसके साथी रऊफ सहित गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। अब इस मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा मुख्य आरोपी फरदीन के घर आज दोपहर बुल्डोजर की कार्यवाही की गयी है। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस फोर्स भी तैनात रही थी।

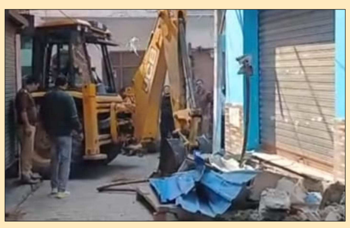

जन्म से मरण तक की यात्रा ही जीवन है: ममगांई

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पुलवामा में मां भारती के लिए प्राणोत्सर्ग करने वाले मेजर स्वर्गीय बिभूति शंकर ढोढ़ियाल जी की छटवीं पुण्य तिथि पर उनके निवास स्थल 86 डंगवाल मार्ग नेशविला रोड में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। जिसमें गढ़वाल सभा मंदिर में कलशों की पूजा करते हुए भागवत व गोपाल जी सिर पर रखते हुए सैकड़ों महिलाएं व पुरुष बगैर बैंड बाजों के नेशविला रोड के मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल पर श्रीमन नारायण के भजनों को गाते हुए पहुचे। जहाँ पर गोपाल जी के अभिषेक के साथ वेद मंत्रों के साथ पुराण पूजन व मेजर बिभूति के चित्र पर जलाभिषेक व पुष्प अर्पण किया गया।

वही प्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य शिव प्रसाद ममगाई जी ने कथा में कहा कि जन्म से मरण तक कि यात्रा ही जीवन है यह सबके साथ होता है लेकिन अपने देश के लिए प्राणों को न्यौछावर करने वाले जो लोग हैं सही में उनका जन्म अलग है। इसी तरह मेजर बिभूति अपने पीछे तीन बहिन माता व पत्नी को

छोड़कर छ: साल पहले चल बसे थे ऐसे लोग ही हमेशा अमर हो जाते हैं। जैसे प्रह्लाद ने देश द्रोही हिरण्यकश्यप पिता के लिए संघर्ष किया आखिर में नरसिंह शक्ति प्राप्त होने पर हिरण्यकश्यप का अंत हुआ तथा गौकर्ण ने अपने भाई माता पिता समाज के विरुद्ध चलने वाला था धुंधकारी उसके उद्धार के लिए कथा करी थी। वहीं परीक्षित ने एक निरपराध ऋषि समीक के गले मे सांप डाला वही बदले की भावना ने बल्कि समाज का प्रतिनिधित्व करने वाला राजा ही अपराध करे ऐसे व्यक्ति को दंडित करने में समाज की भलाई है। जो समाज के लिए कुछ नही करता वो सरीर व नाम से मर जाता है जबकि समाज के लिए कार्य करने वाला व्यक्ति ही देश हित मे कोई भी कष्ट सहने वाला व इस तरह प्राणोत्सर्ग करने वाला व्यक्ति ही अमरत्व को प्राप्त करता है आदि प्रसंगों पर मेजर बिभूति की याद में सबकी आंखे नम हुई। बड़ी संख्या में नर नारियों ने कथा श्रवण किया।

इस अवसर पर सरोज ढोढ़ियाल जगदीश प्रसाद दमयंती रवि बसन्ती देवी हरीश चंद्र इंदु देवी हेमंत अमित सूचि व्रता सतीशचन्द्र गिरीश चन्द्र कर्नल विकास नौटियाल राजेश पोखरियाल सीमा पोखरियाल मुकेश पोखरियाल वंदना पोखरियाल मनोज पोखरियाल विजय लक्ष्मी चमोली सोनिया कुकरेती गीता बडोनी लक्ष्मी बहुगुणा नंदा तिवारी विवेकानंद खंडूरी विमला शर्मा रेखा बहुगुणा आदि भक्त गण उपस्थित थे।

प्रधानाचार्य और सहायक शिक्षक 10 हजार की रिश्वत सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। स्कूल के प्रधानाचार्य व सहायक शिक्षक को विजिलेंस की टीम द्वारा 10 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

मामला काशीपुर के बांसखेड़कलां प्राइमरी स्कूल का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित की शिकायत पर विजिलेंस टीम द्वारा जांच की गयी तो मामला सहीं पाया गया। जिस पर विजिलेंस की टीम द्वारा जाल बिछाते हुए रिश्वत लेते हुए एक प्रधानाचार्य और सहायक शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कार्यवाही विजिलेंस की हल्द्वानी टीम द्वारा की गयी है। जिसमें प्रधानाचार्य से रिश्वत के रूप में दी गयी। 10 हजार रूपये की धनराशि बराबद की गयी है। बताया जा रहा है कि रिश्वत की मांग सहायक टीचर ने की थी। यह गिरफ्तारी काशीपुर के बांसखेड़कलां प्राइमरी स्कूल से की गयी है। जिनसे अब पूछताछ की जा रही है।

कम्पनी से लाखों रुपये का सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने डिक्सन कम्पनी की छत के रास्ते अन्दर प्रवेश कर वहां से सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमार दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डिक्सन टैक्नोलॉजी इण्डिया के कर्मचारी रोहित कुमार ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि में चोरों ने कम्पनी की छत के रास्ते अन्दर प्रवेश किया और वहां से लाखों रूपये का सामान चोरी कर लिया। आज सुबह जब वह वहां पर पहुंचे तो सामान गायब देखा।

फरार चल रहा 25 हजार का ईनामी दुष्कर्मी एक साल बाद गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। दुष्कर्म मामले में एक साल से फरार चल रहे 25 हजार के ईनामी एक शातिर बदमाश को एसटीएफ द्वारा सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि एक महिला के साथ मारपीट व बलात्कार के प्रकरण में थाना गदरपुर जनपद ऊधमसिंहनगर में दर्ज मुकदमें में कुख्यात अपराधी गुरमेज सिंह पुत्र खजान सिंह निवासी कथूलिया नानकमत्ता जनपद ऊधमसिंहनगर को धरपकड़ हेतु उत्तराखण्ड एसटीएफ द्वारा देर रात को सहारनपुर उ.प्र. में दबिश देकर पिछले एक वर्ष से फरार कुख्यात ईनामी गुरमेज सिंह को गिरफ्तार किया गया है। बताया कि उक्त अपराधी वर्ष 2020 में एक महिला के सम्पर्क में आया और उसको अपने झूठे वादों में फंसाकर शादी का झांसा देकर उसके साथ अवैध सम्बन्ध बनाये। जब महिला ने शादी करने का दबाव बनाया तो अपराधी गुरमेज सिंह वहाँ से फरार हो गया। जिसके बाद महिला द्वारा अपराधी गुरमेज सिंह के खिलाफ थाना गदरपुर में मुकदमा दर्ज कराया गया।

आरोपी गुरमेज सिंह तब से लगातार फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद ऊधमसिंहनगर द्वारा 25 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। आरोपी एसटीएफ की रडार में था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु एसटीएफ एक वर्ष से लगातार प्रयास कर रही थी। जिसके फलस्वरूप देर रात आरोपी गुरमेज सिंह की गिरफ्तारी जनपद सहारनपुर उ.प्र.

क्षेत्रान्तर्गत से सम्भव हो सकी। बताया कि आरोपी खानाबदोश किस्म का व्यक्ति था, जो मुकदमा होने के बाद से ही लगातार फरार चल रहा था तथा किसी प्रकार से अपने परिवार व रिश्तेदारो से सम्पर्क में नहीं था। इसकी गिरफ्तारी हेतु एसटीएफ द्वारा रणनीति बनाते हुये मैनुवली एवं सर्विलांस के माध्यम से सूचना एकत्रित की गयी जिसके कारण आरोपी गुरमेज की गिरफ्तारी सम्भव हो पायी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।
प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।